

भैंसों की गर्मी में देखभाल करने के लिए कुछ दिशानिर्देश

डॉ. सतीश कुमार पाठक

सहायक आचार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

भैंसों की गर्मी में देखभाल करने के लिए निम्न प्रमुख बातों का ध्यान रखना चाहिए

- भैंसों के आवास के चारों तरफ छायादार वृक्ष होने चाहिए
- भैंसों के आवास हवादार होने चाहिए ।
- भैंसों के नहाने के लिए तालाब या घर पर ही प्रतिदिन स्नान कराना चाहिए, अत्यधिक गर्मी में ठंडे पानी की बौछार भी लाभदायक सिद्ध होगी ।
- गर्मी से बचाव के लिए ठंडा और साफ पानी की उपलब्धता सदैव रहनी चाहिए ।
- भैंसों को तेज धूप में बाहर ले जाने से बचना चाहिए ।
- भैंसों को हरे चारे को सूखे चारे में मिलाकर खिलाना चाहिए ।
- भैंसों को चराने के लिए सुबह या शाम को ही बाहर ले जाना चाहिए, जब धूप की तीव्रता कम हो ।
- भैंसों के आहार में खनिज लवण की प्रयाप्त मात्रा का मिश्रण होना चाहिए ।
- गर्भवती भैंसों को आहार का विशेष ध्यान रखना चाहिए ।
- भैंसों को रात में खिलाने का प्रबंध करना चाहिए, क्योंकि गर्मियों में दिन में जानवर कम खाते हैं ।
- भैंसों की गर्मी (estrous) का पता लगाने के लिए दिन में तीन बार निरीक्षण करना चाहिए और कम से कम एक बार रात को भी ।
- कृत्रिम गर्भाधान के लिए सुबह या शाम का ठंडा समय उपयुक्त होता है ।
- गाभिन न होने वाली भैंसों के योनि से होने वाले स्राव का अच्छी तरह से निरीक्षण करना चाहिए, कुछ भी असमान्य दिखने पर पशुचिकित्सक से सम्पर्क करना चाहिए ।
- कृत्रिम गर्भाधान के बाद पहले 15 दिन तक भैंस को ठंडे वातावरण में रखना चाहिए ।